चाचा नेहरू की कहानी

बच्चों को पढ़ाई और खेल दोनों में आगे बढ़ना चाहिए।

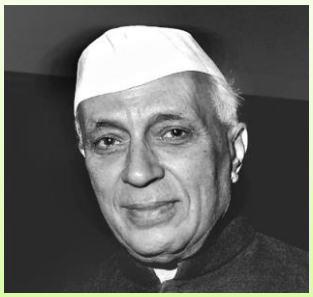

उन्हें नदियाँ, पहाड़ और किताबें बहुत पसंद थीं।

बहुत साल पहले हमारे देश में एक छोटे से बच्चे का जन्म हुआ, उसका नाम था जवाहरलाल नेहरू। बड़े होकर उन्हें लोग प्यार से चाचा नेहरू कहने लगे।
एक बार की बात है। जवाहरलाल छोटे थे और बगीचे में खेल रहे थे। उन्होंने देखा कि एक माली बहुत मेहनत से पौधों को पानी दे रहा है।

नेहरू जी पास गए और पूछा –
"आप इतना मेहनत क्यों कर रहे हो?"

माली ने मुस्कुराकर कहा –
"बेटा, यह छोटे पौधे एक दिन बड़े पेड़ बनेंगे, और फिर सबको छाया और फल देंगे।"

यह सुनकर छोटे जवाहरलाल बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने सोचा –
"बच्चे भी छोटे पौधों जैसे हैं। अगर हमें प्यार और शिक्षा मिले, तो हम बड़े होकर देश के काम आ सकते हैं।"

इसीलिए बड़े होकर उन्होंने हमेशा बच्चों की पढ़ाई और खुशियों को सबसे ज़्यादा महत्व दिया।

इसलिए उन्होंने हमेशा बच्चों की शिक्षा, खेल और अच्छे जीवन के लिए काम किया।
बच्चे भी उन्हें उतना ही प्यार करते थे।

उनका पसंदीदा फूल था गुलाब । इसलिए जब भी वे बच्चों से मिलते, अपने कोट पर गुलाब लगाना नहीं भूलते।

इसी प्यार के कारण उनकी जयंती 14 नवंबर को हर साल बाल दिवस (Children's Day) के रूप में मनाई जाती है।

- **जन्म** : 14 नवंबर 1889, इलाहाबाद (अब प्रयागराज, उत्तर प्रदेश)• **पिता** : मोतीलाल नेहरू (प्रसिद्ध वकील)• **माता** : स्वरूपरानी

"Your small contribution can help shape a brighter future for many students. If you find it valuable, consider donating at UPI ID - edubrightpages@ybl. *Every contribution counts. Thank you!"*

- *To Get A Personalized Set Of Worksheet For Child, Please Send 'Hi' On WhatsApp – 7248217332*